STATE ELIGIBILITY TEST

हिन्दी

पाठय विवरण ।

Subject Code - 14

प्रश्न–पत्र–2

1 *हिन्दी भाषा और उसका विकास*

अपभ्रश (अवहटठ सहित) और पुरानी हिन्दी का सम्बन्ध। काव्य भाषा के रूपमें अवधी का उदय और विकास,काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप मे खडीबोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण। रूपगत, हिन्दी की बोलियॉ–वर्गीकरण। तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण। !

हिन्दी प्रसार के आन्दोलन, प्रमुख। व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी !
हिन्दी भाषा–प्रयोग के विविध। रूप–बोली,मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी !

2 *हिन्दी साहित्य का इतिहास*

हिन्दी साहित्य का इतिहास–दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियां !
हिन्दीसाहित्य के प्रमुख। इतिहास–ग्रंथ, हिन्दी के प्रमुख। साहित्यिक केन्द्र–संस्थाएं एवं पत्र–पत्रिकाएं, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभिंाजन और नामकरण। !
***आदिकाल**: हिन्दी साहित्य का आरम्भ। कब और कैसे? रासो–साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य–सिद्ध और नाथ। साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य*
***मध्यकाल**: भक्ति–आन्दोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण। प्रमुख। निर्गुण। एवं सगुण। सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार सन्त,प्रमुख। सम्प्रदायक और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्टय !*

***हिन्दी सन्त काव्य**: सन्त काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख। निगुण। सन्त कवि कबीर, नामक दादू, रैदास, सन्त काव्य की प्रमुख। विशेषताएं, भारतीय धर्म साधना में सन्त कवियों का स्थान !*

हिन्दीसूफी काव्यः *सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य–मुल्ला दाउद चनदायन,कुतुबन (मिरगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मोहम्मद जायसी (पदमावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप,हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएं !*

हिन्दी कृष्णकाव्यः *विविध सम्प्रदायक, वल्लभसम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण–भक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रास पंचाध्यायी), भ्रमरगीत परम्परा, गीति परम्परा और हिन्दी कृष्ण काव्यःमीरा और रसखान !*

हिन्दी राम काव्यः *विविधसम्प्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियां, काव्य रूप और उनका महत्व !*

रीति कालः *सामाजिक सांस्कृति परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्त्रोत,रीतिकाल की प्रमुख प्रवृतियां रीतिकालीन कवियों का आचार्यात्व , रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कविः केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारी लाल, देव, घनानन्द और पदमाकर, रीतिकाव्य में लोकजीवन !*

आधुनिक कालः *हिन्दी गद्य का उदभव और विकास*
भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की राज्य क्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेन्दु और उनका मण्डल, 19वीं शताब्दी के उतरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता !

द्विवेदी युगः *महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि !*

छायावाद और उसके बाद : *छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं, छायावाद के प्रमुखकवि : प्रसाद, निराला, पन्त ओर महादेवी, उतर छायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि–प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता, नई कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता !*

3 हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएं

हिन्दी उपन्यासः प्रेमचन्द पूर्व उपन्यास, प्रेमचन्द और उनका युग, प्रेमचन्द के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकारः जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी,यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु,भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल,राही मासूम रजा,रांगेय राघव, मन्नु भण्डारी !

हिन्दी कहानी : *बीसवी सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन !*

हिन्दी नाटकः *हिन्दी नाटक और रंगमंच, विकास के चरण और प्रमुंख नाटयकृतियां : अन्धेर नगरी, चन्द्रगुप्त,अंधायुग, आधे–अधूरे,आठवां सर्ग, हिन्दी एकांकी !*

हिन्दी निबन्ध : *हिन्दी निबन्ध के प्रकार और प्रमुख निबन्धकार–रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुवेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र, हरिशंकर परसाई !*

हिन्दी आलोचना: *हिन्दी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचकः रामचन्द्र शुक्ल, नन्द दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, डॉक्टर नगेन्द्र, डॉक्टर नामवर सिंह, विजयदेव नारायण साही !*

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएं : *रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा–साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज !*

4 *काव्यशास्त्र और आलोचना*

भरत मुनि का रस सुत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार !
रस के अवयव !
साधारणीकरण !
शब्द शक्तियां और ध्वनि का स्वरूप !
अलंकार–यमक, श्लेष , वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति,अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति,विशेषोक्ति,दृष्टांत, उदाहरण, प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना,अर्थान्तन्यास, विभावना, असंगति तथा विरोधाभास !
रीति, गुण दोष !
मिथक, फनतासी, कल्पना, प्रतीक और विम्ब !
स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उतर, आधुनिकता, उतर आधुनिकता !
समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएं : विडम्बना (आयरनी), अजनवीपन (एलियनेशन) विसंगति (एब्सर्ड), अर्न्तविरोध (पैराडॉक्स) विखण्डन (डीकन्स्ट्रक्शन) !

प्रश्न पत्र–3 ए
बीज पाठयक्रम

इकाई–1

भक्ति काव्य की पूर्व–पीठिका, सिद्ध–जैन नाथ साहित्य, पदावली तथा लौकिक साहित्य !
भक्ति–काव्य का स्वरूप, भेद,निर्गुण–सगुण का सम्बंध, साम्य और वैषम्य !
कबीर : भक्ति–भावना, समाज–दर्शन, विद्रोह–भावना, काव्य–कला !
जायसीः प्रेम–भावना, लोक तत्व, कथानक रूढि,काव्य–दृष्टि !
सूरदास :भक्ति–भावना, वात्सल्य–वर्णन, गीति–तत्व !
तुलसीदास : भक्ति–भावना, सामाजिक–सांस्कृति दृष्टि, लोकमंगल, काव्य–दृष्टि !

इकाई–2

सामाजिक–सांस्कृति, दृष्टि, प्रमुख प्रवृतियां, विविध काव्य–धाराएं !

केशवःआचार्यत्व,काव्य–दृष्टि, संवाद–योजना !
बिहारीः सौन्दर्य–भावना, बहुज्ञता, काव्य–कला !
भूषण।ः युग–बोध।, अन्तर्वस्तु, काव्य–कला !
घनानन्दः स्वच्छंद योजना, प्रेम–व्यंजना, काव्य–दृष्टि !

इकाई–3

आधुनिकताः अवधारण।ा और उसके उदय की पृष्ठभूमि,हिन्दी पुनर्जागरण। और भारतेन्दु !
महावीर प्रसाद द्विवेदीः नवजागरण।, काव्य भाषा के रूप में ख।उी बोली की प्रतिष्ठा, हरिऔध, मैथिलीशरण। गुप्त !
छायावादः सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, वैचारिक पृष्ठभूमि, स्वाधिनता की चेतना, गांधी का प्रभाव, अन्तर्धाराएं, राष्ट्रीय काव्य–धारा !
प्रसादः जीवन–दर्शन, सांस्कृतिक दृष्टि, सौन्दर्य चेतना !
पंतः प्रकृति–चित्रण, काव्य–यात्रा, काव्य–भाषा !
निराला :सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, प्रगति–चेतना, मुक्त छंद !
महादेवीः वेदना–तत्व, प्रगीति प्रतीक–योजना !

इकाई–4

वैचारिक पृष्ठ भूमि,मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण।वाद, अस्तित्ववाद !
प्रगतिवादः सामाजिक दृष्टि, नागार्जुन–यथा।थ। चेतना और लोक–दृष्टि, केदारनाथ। अग्रवाल– प्रकृति चित्रण। और सौन्दर्य–बोध। !
प्रयोगवादः व्यष्टि–चेतना,अज्ञेय–प्रयोगध।र्मिता और काव्य–भाषा !
नयी कविताः व्यष्टि–समष्टि–बोध।, मुक्तिबोध।–समाज–बोध।,फैंटसी !
समकालीन कविताः काल संसक्ति और लोक संसक्ति, रघुवीर सहाय–राजनीतिक चेतना, काव्यभाषा, कुवंर नारायण।–मिथ।कीय चेतना, काव्य–दृष्टि!

इकाई–5

गल्प और इतिहास, कल्पना और यथा।थ। !
प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यासः परीक्षा गुरू, चन्द्रकांता–वस्तु और शिल्प !
प्रेमचन्द युगीन उपन्यासः गोदान– मुख्य पात्र, यथा।थ। और आदर्श, वस्तु–शिल्प वैशिष्टय !
प्रेमचन्दोतर उपन्यास : शेख।र एक जीवनी–वस्तुशिल्पगत वैशिष्टय, मैला आंचल–वस्तु–शिल्प, आंचलिकता !
बाण।भटट की आत्मकथा।–इतिहास और संस्कृति चेतना, भाषा–शिल्प वैशिष्टय !
कहानी और प्रमुख। कहानीकार– प्रेमचन्द और प्रसाद की कहानी–कला, प्रेमचन्दोतर हिन्दी कहानी और नयी कहानी, संवेदना और शिल्प !

इकाई–6

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु : भारत– दुर्दशा, अंधेर नगरी, यथार्थबोध ।
प्रसार के नाटकः चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना, नाटय–शिल्प ।
प्रसादोतर नाटकः अंधायुग, आधे–अधूरे–आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता और नाटय–भाषा ।
निबन्ध और प्रमुख निबन्धकारः बालकृष्ण भटट,रामचन्द्र शुक्ल, चिन्तामणि, अन्तर्वस्तु और शिल्प ।
शुक्लोतर निबन्ध और निबन्धकारः हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुवेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र,संस्कृति–बोध, लोक–संपृक्ति ।

इकाई–7

काव्य–हेतु और काव्य प्रयोजन ।
प्रमुख सिद्धांत–रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य– सामान्य परिचय ।
रस–निष्पति ।
हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास ।
आधुनिक हिन्दी आलोचना और प्रमुख आलोचक– रामचन्द्र शुक्ल और रस–दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारण, नन्ददुलारे वाजपेयी–सौष्ठववादी आलोचना । रामविलास शर्मा–मार्क्सवादी समीक्षा ।

इकाई–8

प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धांत ।
लोंजाइनसः काव्य में उदात तत्व ।
क्रोचे का अभिव्यंजनावाद ।
आई0 ए0 रिचडर्स–संप्रेषण सिद्धांत ।
नयी समीक्षा ।

इकाई–9

कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी–दोहा पद सं0 160–209
जायसी ग्रंथावली–सं0 रामचन्द्र शुक्ल–नागमती वियोग वर्णन
सूरदास–भ्रमरगीत–सार–सं0 रामचन्द्र शुक्ल 21 से 70 तक ।
तुलसीदास–रामचरितमानस–गीता–प्रेस, गोरखपुर–उतरकाण्ड ।
छायावादः
प्रसाद–कामायनी–श्रद्धा, इडा सर्ग
निराला–राम की शक्ति–पूजा, कुकुरमुता

नई कविता :
अज्ञेय–असाध्यवीण।, नदी के द्वीप
मुक्तिबोध–अंधेरे में

इकाई 10
उपन्यास :
प्रेमचन्द–गोदान
अज्ञेय–शेखर एक जीवनी, भाग–1
नाटक:
प्रसाद–चन्द्रगुप्त
मोहन राकेश– आधे–अधूरे !

प्रश्न–पत्र–3 बी
ऐच्छिक/ वैकल्पिक

ऐच्छिक–1
भक्ति–काव्यः स्वरूप और भेद, निर्गुण और सगुण का सम्बंधः साम्य और वैषम्य !
कबीरः निर्गुण का स्वरूप, कबीर के राम और तुलसी के राम में अन्तर, रहस्य साधना, कबीर का समाज दर्शन और उनकी प्रासंगिकता, कबीरः कवि के रूप में !
जायसीः सांस्कृतिक दृष्टि, प्रेम–भावना, पदमावत में लोक–तत्व, संस्कृति, प्रकृति–चित्राण, सौन्दर्य दृष्टि, रूपक तत्व !
सूरदासः भक्ति–भावना, माधुर्य और शृंगार वर्णन, लोक–तत्व, सौन्दर्य–बोध, प्रकृति–चित्राण, भ्रमरगीत, अन्तर्वस्तु और विदग्धता, गीति–तत्व, लीला–भाव, बाल–लीला वर्णन का वैशिष्टय !
तुलसीदास : तुलसी की रचनाएं , भक्ति–दर्शन, मानस की प्रबन्ध कल्पना, मर्यादा भाव, चित्राकूट सभा का महत्व, सामाजिक–पारिवारिक आदर्श , युग–बोध राम राज्य की परिकल्पना, तुलसी की काव्य–दृष्टि !

ऐच्छिक–2

स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, छायावाद में रहस्यानुभूति का स्वरूप, छायावादी कविता में स्वच्छन्द कल्पना, छायावादी कवियों की राष्ट्रीय–सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना, छायावादी काव्य में नारी छायावादी कवियों का सौन्दर्य–बोध, छायावादी काव्य में प्रगीति तत्व! छायावाद की काव्य भाषा, छायावादः शक्ति काव्य, प्रबन्ध कल्पना की नवीनता !
प्रसाद का जीवन दशर्न , समरसता और आनन्दवाद, सौन्दर्यबोध, कामायनी में रूपक तत्व, कामायनी का प्रबन्ध विन्यास, कामायनी का आधुनिक सन्दर्भ, कामायनी की विश्व–दृष्टि !

निराला के प्रगति, निराला की प्रगति चेतना, निराला के प्रयोग के विविध आयाम, लम्बी कविताएं, राम की शक्ति पूजा, बादल राग कुकुरमुता, मुक्त छन्दः अवधारणा और प्रयोग !
पन्त की काव्य–यात्राा के विविध सोपान, पल्लव की भूमिका, प्रकृति–चित्राण, कल्पनाशीलता, सौन्दर्य चेतना, पन्त की काव्य–भाषा !
महादेवी के काव्य में रहस्यवाद, वेदना भाव, गीति–तत्व, महादेवी की काव्य–भाषा –बिम्ब विधान !

ऐच्छिक–3

मध्य वर्ग का उदय और उपन्यास, उपन्यास औा यर्थाथ तथा उसके विविध रूप, उपन्यास में इतिहास, कल्पना और आधुनिकता !

प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास और स्वाधीनता आन्दोलन, स्वाधीन भारत के प्रमुख हिन्दी उपन्यास, हिन्दी उपन्यास में नायक और नायिका की अवधारणा तथा उसके बदलते स्वरूप, हिन्दी उपन्यास में शिल्पगत प्रयोग !

गोदान और भारतीय किसान, गोदान में गांव और शहर, महाकाव्यात्मक उपन्यास की परिकल्पना, गोदान के मुख्य चरित्रा,गोदान में यर्थाथ और आदर्श, गोदान का शिल्प !

शेखर एक जीवनी में शेखर के चरित्रा का वैशिष्टय, भाषा और शिल्पगत प्रयोग, वस्तु व्यंजना, उपन्यास और काव्यात्मकता, मनोवैज्ञानिक आयाम !

वाणभटट की आत्म कथा, आत्म कथा का तात्पर्य, इतिहास और कल्पना, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आधुनिकता, निपुणिकता और नारी–मुक्ति की आकांक्षा, भाषा–सौष्ठव !

मैला आंचल–आंचलिक उपन्यास की अवधारणा , वस्तु विन्यास और शिल्प, लोक–संस्कृति और भाषा, ग्राम जीवन में होने वाले आर्थिक राजनैतिक परिवर्तन और सामाजिक गतिशीलता का चित्राण !

हिन्दी कहानी–प्रेमचन्द, प्रसाद, जैनेन्द्र, प्रेमचन्दोतर युग की कहानी, नई कहानी, साठोतरी कहानी, समकालीन कहानी, शिल्प और संवेदना !

कथा–साहित्य में स्त्राी विमर्श , दलित विमर्श !

ऐच्छिक–4

काव्य के लक्षण : शब्दार्थौ सहितौ काव्यम (भामह), तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि (मम्मट) , वाक्यं रसात्मकं काव्यम (विश्वनाथ), रमणीयार्थ –प्रतिवादकः शब्दः काव्यम (पण्डितराज जगन्नाथ), काव्य की आत्मा !

विविध सम्प्रदाय, प्रमुख सिद्धांत–रस, अलंकार, रीति, ध्वनि वक्रोक्ति और औचित्य !
रस का स्वरूप और साधारणीकरण !
सहदय की अवधारणा !

ऐच्छिक–5

हिन्दी आलोचना–रामचन्द्र शुक्ल और उनके आलोचनात्मक प्रतिमान !
शुक्लोतर समीक्षा और समीक्षक– हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्द दुलारे वाजपेयी, डॉक्टर रामविलास शर्मा, डॉक्टर नामबर सिंह, विजयदेव नारायण साही, समकालीन आलोचना!

ऐच्छिक–6

प्लेटो और अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत तथा अरस्तू का विरेचन सिद्धांत !

बडसर्वर्थ का काव्य–भाषा सिद्धांत !

कालरिज कल्पना और फैन्सी !

आई0 ए0 रिचडर्स– मूल्य सिद्धांत तथा काव्य–भाषा सिद्धांत !

टी0 एस0 इलिएट–निवैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ सह–सम्बन्धी, परम्परा की अवधारणा !

रूसी–रूपवाद, नयी समीक्षा !

संरचनावाद, उतर संरचनावाद, आधुनिकता, उतर आधुनिकता, विखण्डनवाद !

———————————